

Exercises

नोट- पाठ 1 और पाठ 2 नहीं करना है।

1. निम्नलिखितानां परिभाषा कर्तव्या।

- (क) सन्धि- दो वर्णों के पास-पास स्थित होने पर उनमें जो परिवर्तन होता है, वह संधि कहलाती हैं।
- (ख) स्वरसन्धि- दो स्वरों के अत्यधिक समीप होने वाला परिवर्तन स्वरसंधि कहलाता है।
- (ग) गुणसन्धि- अ/आ से असमान वर्ण हो तो दोनों के स्थान पर गुण संधि होती हैं।
- (घ) यण् संधि- इ वर्ण, उ वर्ण, ऋ वर्ण के पश्चात् असमान वर्ण आ जाए तो पूर्व वर्ण के स्थान पर क्रमशः यु, व् और र् अक्षर होते हैं।

2. शुद्धकथनं ☒ चिन्हेन अङ्कयत।

- (क) सन्धि तीन प्रकार की होती हैं। [☒]
- (ख) दो व्यंजनों के मेल के मेल को स्वर संधि कहते हैं। [☒]
- (ग) इ + अ = य बनता है। [☒]
- (घ) आ + उ = औ बनता है। [☒]
- (ङ) ए + आ = अया बनता है। [☒]
- (च) रमा + ईशः = रमीशः बनता है। [☒]
- (छ) सूर्य + उदयः = सूर्योदयः बनता है। [☒]
- (ज) गुण संधि में ए, ओ, अर् बनते हैं। [☒]
- (झ) अयादि सन्धि में य, व, र बनते हैं। [☒]
- (ञ) ऋ + आ = रा बनता है। [☒]

3. रिक्त स्थानानि पूरयत।

1. नद्धत्र 2. लतापि 3. महा + आत्मा 4. चन्द्र + उदयः 5. ईशः
6. सप्त 7. महा + ऋषि 8. दयानन्दः 9. गंगा 10. राका

4. संशोध्य लिखत।

1. सुरेन्द्रः 2. परमेश्वरः 3. चन्द्रोदयः 4. देवेन्द्रः 5. लतोपरि
6. वध्वागमनम् 7. ब्रह्मणिः 8. वामोरुः 9. जनौद्धः 10. जलमगनम्

5. सन्धिविच्छेदः कर्तव्य।

1. सह + अयादि। 2. इति + आदि। 3. वधू + अत्र। 4. गै + अंकः।
5. भो + अनम्। 6. पौ + अनम्। 7. सदा + उत्सवः।

8. नर + उत्तमः।

9. पितृ + ऋणम्

10. देवी + इयम्।

